

राम सम नहीं कोई और उदार लिरिक्स



चरण पड़े को शरण में रखे,
करदे बेड़ा पार,
राम सम नहीं कोई और उदार,
राम सम नहीं कोई और उदार। bdl

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभुवर,
करते सदा कृपा करुणाकर,
गीध को लेकर गोद में अपनी,
किया अंतिम संस्कार,
राम सम नहीं कोई और उदार। bdl

बड़ा दयालु है रघुनंदन,
कर में धनु और सोहे चन्दन,
चरण धुलाये केवट घर जा,
और किया उद्धार,
राम सम नहीं कोई और उदार। bdl

क्षमावान नहीं इन सा कोई,
दयावान नहीं इन सा कोई,
'राजेन्द्र' श्रापित नार अहिल्या,
को हरि दीन्हे तार,
राम सम नहीं कोई और उदार। bdl

चरण पड़े को शरण में रखे,
करदे बेड़ा पार,
राम सम नहीं कोई और उदार,
राम सम नहीं कोई और उदार। bdl

गीतकार / गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी ।
